नई शिक्षा नीति पर आधारित

व्याकरण वाटिका

Teacher's Manual

Class VII

Written by :

Author's Team

(Vidyalaya Prakashan)

KANHA BOOKS INTERNATIONAL

New Delhi

Sales Office :
C-24, JWALA NAGAR, T.P. NAGAR, MEERUT.
Ph. No. : 2400630, 8899271392
Head Office :
A-102, CHANDAR VIHAR, DELHI-92
e-mail : vidyalayaprakashan@yahoo.co.in
www.vidyalayaprakashan.in

Bhopal • Lucknow • Mumbai • Jaipur
Chandigarh • Ahemdabad • Dehradun

1. भाषा एवं व्याकरण

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओः–

   क. भाषा के   ख. राजभाषा   ग. 22

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

   क. मौखिक, लिखित   ख. देवनागरी

   ग. क्षेत्रीय   घ. व्याकरण

   ड. गद्य, पद्य

3. निम्नलिखित भाषाओं से संबंधित दो–दो उदाहरण दीजिए –

   क. भाषण देना, अध्यापक द्वारा बच्चों को पाठ पढ़कर समझाना।

   ख. पत्र लिखना, अध्यापिका के द्वारा दिए गए गृहकार्य को लिखकर करना।

4. निम्नलिखित कथनों में से सही कथन के सामने (✓) तथा गलत कथन के सामने (✗) का चिह्न लगाइए–

   क. (✗)   ख. (✗)   ग. (✗)

   घ. (✓)   ड. (✓)

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

   क. भाषा वह साधन है, जिसके माध्यम से मनुष्य अपने मन के भावों और विचारों का आदान–प्रदान करता है। भाषा के मुख्यतः दो रूप होते हैं– मौखिक भाषा, लिखित भाषा।

   ख. 1. **मौखिक भाषा**–भाषा का वह रूप जिसके द्वारा व्यक्ति बोलकर तथा सुनकर अपने भावों और विचारों का आदान–प्रदान करता है, वह मौखिक भाषा कहलाती है। मौखिक रूप ही भाषा का मूल रूप है।

   2. **लिखित भाषा**–भाषा का वह रूप जिसके द्वारा व्यक्ति

लिखकर तथा पढ़कर अपने भावों और विचारों का आदान–प्रदान करता है, वह लिखित भाषा कहलाती है। लिखित चिह्नों द्वारा भाषा की ध्वनियों को प्रकट करने से लिखित भाषा बनती है।

ग. बोली–बोली भाषा का क्षेत्रीय रूप है। बोली का लिखित रूप नहीं होता। बोली का प्रयोग सरकारी काम–काज में नहीं किया जा सकता।

भाषा–भाषा का रूप विस्तृत होता है। भाषा में साहित्य रचना की जाती है। भाषा का प्रयोग सरकारी काम–काज में किया जाता है।

घ. मौखिक ध्वनियों को लिखकर प्रकट करने के लिए निश्चित किए गए चिह्नों को लिपि कहते हैं।

ड. व्याकरण वह शास्त्र है, जिसके द्वारा किसी भाषा को शुद्ध बोलने, पढ़ने व लिखने का ज्ञान होता है।

व्याकरण के निम्नलिखित तीन अंग हैं –

वर्ण विचार शब्द विचार वाक्य विचार

च. किसी भी भाषा के ज्ञान के संचित कोष को 'साहित्य' कहा जाता है। साहित्य की दो मुख्य विधाएँ होती हैं–

1. गद्य तथा 2. पद्य।

2. वर्ण-विचार

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ:–

क. दीर्घ स्वर ख. अनुस्वार ग. ज्ञ

2. निम्नलिखित द्वित्व व्यंजनों का प्रयोग करके दो–दो शब्द लिखिए –

क. बच्चा, कच्चा ख. गत्ता, पत्ता

ग. बिल्ली, बल्ला   घ. छुट्टी, पट्टी

ड. छज्जा, लज्जा

3. निम्नलिखित संयुक्त व्यंजनों से तीन–तीन शब्द बनाइए –

क.	क्षत्रिय	क्षमा	कक्षा
ख.	त्रिशूल	पत्र	शत्रु
ग.	विज्ञान	ज्ञात	यज्ञ
घ.	श्रम	परिश्रम	श्रमिक

4. रिक्त स्थान भरिए–

क. ग्यारह   ख. ह्स्व   ग. आगत

घ. हलंत   ड. वर्ण–विच्छेद

5. निम्नलिखित व्यंजनों के भेद बताइए–

क. अंत:स्थ व्यंजन   ख. ऊष्म व्यंजन

ग. स्पर्श व्यंजन

6. निम्नलिखित शब्दो का का वर्ण–विच्छेद कीजिए –

क. क् + अ + र् + म् + अ + च् + आ + र् +ई

ख. श् + इ + क् + ष् + अ + क् + अ

ग. व् + य् + आ + प् + आ + र् + ई

घ. च् + आँ + द् + अ + न् + ई

ड. अ + ज्ञ् + आ् + न् + ई

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

क. वह सबसे छोटी ध्वनि जिसके और टुकड़े नहीं किए जा सकते, वर्ण कहलाती है। इसके दो भेद होते हैं–1. स्वर, 2. व्यंजन।

ख. **स्वर**– जिन वर्णों का उच्चारण बिना किसी दूसरे वर्ण की सहायता

से होता है, उन्हें 'स्वर' कहते हैं। स्वरों के उच्चारण के समय हवा बिना किसी रुकावट के मुँह से बाहर निकलती है।

व्यंजन– जिन वर्णों का उच्चारण करते समय स्वरों की सहायता ली जाए और हवा कंठ से निकलकर मुँह में रुककर बाहर आए, उन्हें व्यंजन कहते हैं।

ग. **अल्पप्राण व्यंजन**– जिन वर्णों के उच्चारण में 'श्वास' वायु कम मात्रा में मुख से बाहर निकलती है, उन्हें अल्पप्राण व्यंजन कहते हैं। क वर्ग, च वर्ग, ट वर्ग, त वर्ग तथा प वर्ग का पहला, तीसरा और पाँचवाँ वर्ण तथा य, र, ल, व अल्पप्राण व्यंजन हैं।

महाप्राण व्यंजन– जिन वर्णों के उच्चारण में श्वास अधिक मात्रा में मुख से बाहर निकलती है, उन्हें 'महाप्राण' व्यंजन कहते हैं। प्रत्येक वर्ग का दूसरा और चौथा वर्ण (ख, घ; छ, झ; ठ, ढ; थ, ध; फ, भ) तथा श, ष, स, ह महाप्राण व्यंजन हैं।

घ. अनुनासिक (ं) से बने पाँच शब्द – कंधा, बंदर, डंडा, अंदर, गंगा।

अनुनासिक (ँ) से बने पाँच शब्द – आँख, चाँद, साँड, माँ, हँसना।

विसर्ग (ः) से बने शब्द – प्रातः, अतः, नमः, स्वतः, संभवतः।

3. शब्द-विचार

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओः–

क. विकारी तथा अविकारी   ख. अष्ट

ग. यौगिक शब्द

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

क. शब्द   ख. छः   ग. विकारी

घ. तद्‌भव

3. निम्नलिखित शब्दों के तद्भव रूप लिखिए –

मोर, गधा, सूरज, कुँआ, काम, उल्लू

4. निम्नलिखित शब्दों में रूढ़, यौगिक और योगरूढ़ शब्द अलग कीजिए –

रूढ़ :– कुत्ता, गाड़ी, धरती, भू, सेना, फूल, पक्षी, बल।

यौगिक :– पुस्तकालय, जलचर, विद्यार्थी, सुंदरता, सेनापति, कार्यालय, अपमान, अनुशासन।

योगरूढ़ :– त्रिलोचन, लंबोदर, सब्जीवाला, पीतांबर, नीलकंठ, जलज, चारपाई।

5. उत्पत्ति के आधार पर दिए गए शब्दों को उचित शीर्षक के नीचे लिखिए–

तत्सम :– गृह, अग्नि, ग्राहक, सूर्य, गृह, शाक, संध्या, भिक्षा, सर्प।

तद्भव :– सपना, काम, गेहूँ, कान, सात, झोपड़ी, पंख।

देशज :– डिब्बा, खिड़की, बेटी, चाकू, धोती, डिबिया।

विदेशज :– टीचर, दिमाग, बाल्टी, चाय, वकील।

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

क. एक या एक से अधिक सार्थक वर्णों के समूह को शब्द कहते हैं।

ख. **तत्सम शब्द:**– अग्नि, कदली, आमलक, गर्दभ, अक्षि।

तद्भव शब्द:– आग, केला, आँवला, गधा, आँख।

ग. **यौगिक शब्द:**– जो शब्द एक से अधिक रूढ़ शब्दों के योग से बनते हैं, उन्हें यौगिक शब्द कहते हैं। जैसे:–रसोईघर, पाठशाला आदि।

योगरूढ़ शब्द:– जो शब्द दो या दो से अधिक शब्दों के योग से बनते हैं और किसी विशेष अर्थ के लिए प्रसिद्ध हो जाते हैं, उन्हें योगरूढ़ शब्द कहते हैं; जैसे–जलज अर्थात जल से उत्पन्न।

घ. क्रियाविशेषण, संबंधबोधक, समुच्चयबोधक तथा विस्मयादिबोधक शब्द।

ड. एकार्थी शब्द – ऐसे शब्द जिनका एक निश्चित अर्थ होता है; एकार्थी शब्द कहलाते हैं; जैसे–पुरुष, स्त्री, माँ, मित्र, समुद्र, आदि।

अनेकार्थी शब्द – ऐसे शब्द जिनके एक से अधिक अर्थ होते हैं। प्रयोग के अनुसार उनके भिन्न–भिन्न अर्थ ग्रहण किए जाते हैं, अनेकार्थक शब्द कहलाते हैं; जैसे–फल–नतीजा, तीर–बरछी आदि का अग्र भाग, खाने वाला फल।

4. संज्ञा

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ :

   क. व्यक्तिवाचक संज्ञा   ख. भाववाचक संज्ञा

   ग. हँसी   घ. रामायण

2. निम्नलिखित शब्दों की भाववाचक संज्ञा बनाइए –

सफल–सफलता	गुरु–गुरुत्व	अहं–अहंकार
खेलना–खिलावट	हँसना–हँसी	निज–निजत्व
स्त्री – स्त्रीत्व	लड़का–लड़कपन	चतुर–चतुराई
बच्चा–बचपन	स्वस्थ–स्वास्थ्य	नेता–नेतृत्व

3. निम्नलिखित शब्दों के संज्ञा भेद लिखिए–

नदी–जातिवाचक संज्ञा	जनवरी–व्यक्तिवाचक संज्ञा
पुस्तकालय–जातिवाचक संज्ञा	रामेश्वरम–व्यक्तिवाचक संज्ञा
यमुना–व्यक्तिवाचक संज्ञा	हिमालय–व्यक्तिवाचक संज्ञा
सोना–द्रव्यवाचक संज्ञा	मिठास–भाववाचक संज्ञा
देवता–जातिवाचक संज्ञा	रामायण–व्यक्तिवाचक संज्ञा

क्रोध–भाववाचक संज्ञा	कोयला–द्रव्यवाचक संज्ञा
स्त्री–जातिवाचक संज्ञा	भारत–व्यक्तिवाचक संज्ञा
लखनऊ–व्यक्तिवाचक संज्ञा	

4. निम्नलिखित वाक्यों में से उचित संज्ञा शब्द छाँटिए और उनके भेद लिखिए–

	संज्ञा	**भेद**
क.	गाँव, हरियाली	जातिवाचक संज्ञा, भाववाचक संज्ञा
ख.	गंगा, नदी	व्यक्तिवाचक संज्ञा, जातिवाचक संज्ञा
ग.	अनु	व्यक्तिवाचक संज्ञा
घ.	भगवद्गीता, ग्रंथ	व्यक्तिवाचक संज्ञा, जातिवाचक संज्ञा
ड.	महाराष्ट्र, मराठी	व्यक्तिवाचक संज्ञा

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

क. किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, प्राणी और भाव का बोध कराने वाले शब्द संज्ञा कहलाते हैं। संज्ञा के मुख्यत: तीन भेद होते हैं–

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा 2. जातिवाचक संज्ञा 3. भाववाचक संज्ञा

कुछ विद्वान संज्ञा के दो भेद और भी मानते हैं –

1. समूहवाचक संज्ञा 2. द्रव्यवाचक संज्ञा

ख. **जातिवाचक संज्ञा**– जब कोई संज्ञा शब्द एक ही प्रकार के सभी प्राणियों, वस्तुओं आदि का बोध कराता है, तो इससे उस प्राणी या वस्तु की पूरी जाति का बोध होता है, इसलिए ऐसे संज्ञा शब्दों को जातिवाचक संज्ञा कहा जाता है; जैसे–नदियाँ, स्त्री, पशु–पक्षी, आदि।

व्यक्तिवाचक संज्ञा– जिस संज्ञा शब्द से किसी विशेष व्यक्ति, स्थान अथवा वस्तु का बोध होता है, उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते

हैं; जैसे–विराट कोहली, रामायण, अयोध्या आदि।

ग. **द्रव्यवाचक संज्ञा:**– जिस संज्ञा शब्द से किसी द्रव्य (पदार्थ) या धातु का बोध हो, उसे द्रव्यवाचक संज्ञा कहते हैं। द्रव्यवाचक संज्ञा की विशेषता यह है कि इन संज्ञाओं को गिना नहीं जा सकता, केवल नापा–तोला ही जा सकता है। इसका प्रयोग सदैव एकवचन में ही होता है; जैसे–चाँदी, दूध, पनीर आदि।

समूहवाचक संज्ञा:– जिस संज्ञा शब्द से किसी समूह का बोध हो, उसे समूहवाचक संज्ञा कहते हैं; जैसे–भीड़, कक्षा, जनता, दल आदि।

घ. भाववाचक संज्ञाओं की रचना पाँच प्रकार के शब्दों से की जाती हैं–

1. जातिवाचक संज्ञाओं से
2. सर्वनामों से
3. विशेषणों से
4. क्रियाओं से
5. अव्ययों से

5. सर्वनाम

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ :–

क. उत्तम पुरुष   ख. प्रश्नवाचक

2. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त सर्वनाम को रेखांकित कीजिए तथा उनके भेद भी लिखिए–

क. कौन, प्रश्नवाचक सर्वनाम

ख. स्वयं, निजवाचक सर्वनाम

ग. यह, निश्चयवाचक सर्वनाम

घ. जो, वो, संबंधवाचक सर्वनाम

3. उचित सर्वनाम शब्द से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :–

क. हम   ख. कुछ

ग. स्वयं घ. यह

4. सही कथन के सामने (✓) तथा गलत कथन के सामने (✗) का चिह्न लगाइए–

क. (✗) ख. (✓) ग. (✗)

घ. (✓) ड. (✗)

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

क. संज्ञा शब्दों के स्थान पर प्रयोग होने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।

उदाहरण– 1. तुम्हारा घर कहाँ है?

2. मैं स्वयं पढ़ता हूँ।

3. कोई आया है।

ख. सर्वनाम के प्रमुख छह भेद होते हैं:–

1. पुरुषवाचक सर्वनाम
2. निश्चयवाचक सर्वनाम
3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम
4. प्रश्नवाचक सर्वनाम
5. निजवाचक सर्वनाम
6. संबंधवाचक सर्वनाम

ग. जो सर्वनाम निज अर्थात स्वयं के लिए प्रयुक्त होते हैं, उन्हें निजवाचक सर्वनाम कहते हैं।

घ. निश्चयवाचक सर्वनाम–वे सर्वनाम जो किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु की ओर (समीप या दूर) संकेत करते हैं, निश्चयवाचक सर्वनाम कहलाते हैं। उदाहरण–यह पिता जी का चश्मा है।

अनिश्चयवाचक सर्वनाम–वे सर्वनाम जो किसी अनिश्चित व्यक्ति या वस्तु के लिए प्रयुक्त होते हैं, अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहलाते हैं। उदाहरण–किसी को मदद के लिए बुलाओ।

6. लिंग

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ :-

   क. स्त्रीलिंग   ख. कवयित्री   ग. सेविका

2. नीचे लिखे वाक्यों में रंगीन छपे शब्दों के लिंग बदलकर वाक्य फिर से लिखिए:-

   क. दुल्हन शरमा रही है।

   ख. गायिका की आवाज मीठी है।

   ग. आज हम सभी छात्र संकल्प करेंगे।

   घ. पंडिताइन ताँगे पर बैठकर चली गई।

   ड. बंदरिया लंबी छलाँग लगाते उनकी तरफ आ रही है।

3. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलिए-

पड़ोसी-पड़ोसिन	शिष्य-शिष्या	याचक-याचिका
सम्राट-सम्राज्ञी	प्रधानाचार्य-प्रधानाचार्या	प्रिय-प्रिया
सिंह-सिंहनी	अध्यक्ष-अध्यक्षा	ठाकुर-ठाकुराइन

4. कोष्ठक में दिए गए शब्दों के विपरीत लिंग वाले शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

   क. नौकर   ख. गायिका   ग. देवरानी

   घ. गुणवती   ड. नातिन

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

   क. शब्द के जिस रूप से पुरुष अथवा स्त्री जाति का बोध हो, उसे लिंग कहते हैं। लिंग के दो भेद होते हैं-पुल्लिंग और स्त्रीलिंग।

   ख. **पुल्लिंग** - जिन संज्ञा शब्दों से पुरुष जाति का बोध हो अथवा जो शब्द पुरुष जाति के अंतर्गत माने जाते हैं, वे पुल्लिग कहलाते हैं। उदाहरण-पिता, भाई, बैल, शेर आदि।

   स्त्रीलिंग - जिन संज्ञा शब्दों से स्त्री जाति का बोध हो अथवा जो

शब्द स्त्री जाति के अंतर्गत माने जाते हैं, वे स्त्रीलिंग कहलाते हैं। उदाहरण–माता, बहन, गाय, शेरनी आदि।

7. वचन

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ :–

   क. ये दोनों ख. आकाश ग. लोग

2. निम्नलिखित रंगीन शब्दों के वचन बदलकर वाक्य फिर से लिखिए:–

   क. आकाश में पक्षी उड़ रहे हैं।

   ख. बिल्ली को देखते ही चुहियाँ भाग गईं।

   ग. कुत्ते के भौंकने से औरतें डर गईं।

   घ. छात्र पंक्तियाँ बनाकर खड़े हैं।

   ड. कमरे में पंखे चल रहे हैं।

3. कोष्ठक में दिए शब्दों के उचित वचन बदलकर रिक्त स्थान भरिए–

   क. ऋतुएँ ख. घोड़ा ग. डाली

   घ. गाने ड. पाठशालाएँ च. बहुएँ

   छ. लड़कियाँ ज. दवात

4. निम्नलिखित एकवचन शब्दों के बहुवचन लिखिए –

कौआ–कौए	थाली–थालियाँ	गाथा–गाथाएँ
सड़क–सड़कें	गुरु–गुरुजन	तितली–तितलियाँ
वधू–वधुएँ	दीवार–दीवारें	पंक्ति–पंक्तियाँ
नारी–नारियाँ	कक्षा–कक्षाएँ	चप्पल–चप्पलें
पुड़िया–पुड़ियाँ	परीक्षा–परीक्षाएँ	मित्र–मित्रगण
गाय–गायें	पौधा–पौधे	धातु–धातुएँ

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

क. किसी संज्ञा शब्द के एक या अनेक होने का बोध कराने वाले शब्द वचन कहलाते हैं। उदाहरण–लड़का–लड़के, छात्रा–छात्राएँ आदि।

ख. वचन के दो भेद होते हैं–1. एकवचन, 2. बहुवचन

ग. सदैव एकवचन में प्रयुक्त होने वाले शब्द–पानी, आकाश, दूध, वर्षा, क्रोध।

सदैव बहुवचन में प्रयुक्त होने वाले शब्द–प्राण, दर्शन, हस्ताक्षर, लोग, होश।

8. कारक

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ :–

क.	कर्ता कारक	ख.	कर्म कारक
ग.	करण कारक	घ.	के लिए, को
ड.	को		

2. सही कारक चिह्न लिखकर वाक्यों को पूर्ण कीजिए:–

क.	के लिए	ख.	से	ग.	पर	घ. से
ड.	में	च.	से	छ.	को	

3. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त कारक–चिह्नों को रेखांकित कीजिए तथा उनका कारक–भेद लिखिए–

क.	को–कर्म कारक	ख.	द्वारा–करण कारक
ग.	से–करण कारक	घ.	पर–अधिकरण कारक
ड.	हे ! –संबोधन कारक		

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

क. वाक्य में क्रिया तथा संज्ञा या सर्वनाम के बीच पाए जाने वाले संबंधों को कारक कहते हैं। कारक के आठ भेद होते हैं –

1.	कर्ता कारक	2.	कर्म कारक
3.	करण कारक	4.	संप्रदान कारक
5.	अपादान कारक	6.	अधिकरण कारक
7.	संबंध कारक	8.	संबोधन कारक

ख.

	कारक	कारक (विभक्ति चिह्न)
1.	कर्ता कारक	ने
2.	कर्म कारक	को
3.	करण कारक	से, के साथ, के द्वारा
4.	संप्रदान कारक	के लिए, को
5.	अपादान कारक	से (पृथक)
6.	अधिकरण कारक	में, पर
7.	संबंध कारक	का, के, की
8.	संबोधन कारक	हे!, अरे!

ग. **करण कारक** – संज्ञा आदि शब्दों के जिस रूप से क्रिया के करने के साधन का बोध हो अर्थात जिसकी सहायता से कार्य संपन्न हो, वह करण कारक कहलाता है। इसके परसर्ग 'से, के साथ, के द्वारा' हैं।

अपादान कारक – संज्ञा के जिस रूप से एक वस्तु का दूसरी से अलग होना पाया जाए, वह अपादान कारक कहलाता है। इसका परसर्ग 'से' है।

9. उपसर्ग

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ :–

क. आरंभ में — ख. निर् + मल

ग. अभि — घ. दुर्

2. निम्नलिखित शब्दों में उचित उपसर्ग जोड़कर नए शब्द बनाइए :-

पुत्र-कुपुत्र	पढ़-अनपढ़	जान-बेजान
कल-निष्कल	जय-पराजय	गुण-अवगुण
कार-आकार	नेक-अनेक	करण-अनुकरण
चारा-बेचारा	इलाज-लाइलाज	गमन-आगमन

3. निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्द और उपसर्ग अलग-अलग कीजिए-

अभिनय	- नय	अभि	उपहार	- हार	उप
निबंध	- बंध	नि	अत्याचार	- आचार	अति
आग्रह	- ग्रह	आ	उद्धार	- हार	उत्
निर्गुण	- गुण	निर्	स्वराज्य	- राज्य	स्व
अनाम	- नाम	अ	कुचाल	- चाल	कु
अनाथ	- नाथ	अ	परिपूर्ण	- पूर्ण	परि
अनपढ़	- पढ़	अन	अत्यंत	- अंत	अति

4. निम्नलिखित उपसर्गों का प्रयोग करके दो-दो शब्द बनाइए-

अति -	अतिशय	अतिशीघ्र
नि -	निडर	निहत्था
गैर -	गैरहाजिर	गैरजरूरी
ला -	लाइलाज	लापरवाह
स्व -	स्वदेश	स्वतंत्र
बे -	बेनाम	बेकार

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

क. जो शब्दांश शब्द के आरंभ में जुड़कर उसके अर्थ में विशेषता ला देते हैं, वे उपसर्ग कहलाते हैं।

ख. हिंदी भाषा में निम्नलिखित चार प्रकार के उपसर्गों का प्रयोग होता है:–

1. संस्कृत के उपसर्ग–'अति' उपसर्ग–अतिशय, अत्यधिक
   'अप' उपसर्ग–अपमान, अपकार
2. हिंदी के उपसर्ग–'दु' उपसर्ग–दुश्मन, दुष्प्रभाव
   'कु' उपसर्ग–कुकर्म, कुपुत्र
3. उर्दू–फारसी के उपसर्ग–'अल' उपसर्ग–अलविदा, अलबत्ता
   'खुश' उपसर्ग–खुशनसीब, खुशदिल
4. उपसर्गों की भाँति प्रयुक्त होने वाले संस्कृत के अव्यय–
   'पुरा' उपसर्ग–पुरातन, पुराकाल
   'पुनः' उपसर्ग–पुनर्जन्म, पुनर्निमाण

10. प्रत्यय

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ :–

क. तद्धित प्रत्यय	ख. पि + अक्कड़
ग. ई	घ. आहट

2. निम्नलिखित प्रत्ययों से दो–दो शब्द बनाइए :–

ईला – रसीला, शर्मीला	पन – गोरापन, लड़कपन
आव – चढ़ाव, बचाव	आपा – बुढ़ापा, मोटापा
एरा – बसेरा, फुफेरा	हारा – लकड़हारा, सर्वहारा
दान– अनुदान, अंगदान	त्व – स्त्रीत्व, निजत्व
इक – आर्थिक, साप्ताहिक	आन – उड़ान, लगान
आई– बुराई, चतुराई	आ – झगड़ा, मेला
वाला– फलवाला, ठेलेवाला	आहट – घबराहट, हड़बड़ाहट

3. निम्नलिखित शब्दों में प्रत्यय जोड़कर नए शब्द बनाइए:–

खाट – खटिया	धोबी – धोबिन
प्यास – प्यासा	नमक – नमकीन
खट्टा – खट्टापन	ईमान – ईमानदार
सज – सजावट	धर्म – धार्मिक

4. निम्नलिखित शब्दों में से मूलशब्द तथा प्रत्यय अलग करके लिखिए–

भलाई	–	भला	ई
नमकीन	–	नमक	ईन
दुर्बलता	–	दुर्बल	ता
गरीबी	–	गरीब	ई
गवैया	–	गा	वैया
मानवता	–	मानव	ता
भागीरथी	–	भागीरथ	ई
बचपना	–	बचपन	आ

5. निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग, मूल शब्द और प्रत्यय अलग करके लिखिए–

		उपसर्ग	मूल शब्द	प्रत्यय
अनुपजाऊ	–	अन	उपज	आऊ
अपमानित	–	अप	मान	इत
परिपूर्णता	–	परि	पूर्ण	ता
दुस्साहसी	–	दुस्	साहस	ई
निर्धनता	–	निर्	धन	ता

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

क. जो शब्दांश शब्द या धातु के अंत में जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन अथवा विशेषता ला देते हैं, वे प्रत्यय कहलाते हैं।

ख. प्रत्यय दो प्रकार के होते हैं:-1. कृत् प्रत्यय, 2. तद्धित प्रत्यय।

ग. **कृत प्रत्यय :-** जो प्रत्यय क्रिया या धातु के अंत में लगकर नए शब्द की रचना करते हैं, वे कृत प्रत्यय कहलाते हैं, जैसे-बचाव, धार्मिक, होनहार, पठनीय, आदि। कृत प्रत्यय से बनने वाले शब्द 'कृदंत' कहलाते हैं।

तद्धित प्रत्यय :- जो प्रत्यय संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, अव्यय आदि के अंत में जुड़कर नए शब्द बनाते हैं, तद्धित प्रत्यय कहलाते हैं। इनके योग से निर्मित शब्द 'तद्धितांत' कहलाते हैं; जैसे:-लोहा-लुहार, पंजाब-पंजाबी, भूख-भूखा आदि।

11. संधि

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ -

क.	स्वर संधि	ख.	निष्कर्ष
ग.	दीर्घ संधि	घ.	इति + आदि

2. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए -

तथैव	-	तथा + एव	लोकेश	-	लोक + ईश
सिंधूर्मि	-	सिंधु + अर्मि	गिरिश	-	गिरि + ईश
नयन	-	ने + अन	दुश्चरित्र	-	दुः + चरित्र
कवींद्र	-	कवि + इंद्र	दुरुपयोग	-	दुः + उपयोग
परमैश्वर्य	-	परम + ऐश्वर्य	निष्पक्ष	-	निः + पक्ष
नरेश	-	नर + ईश	संतोष	-	सम् + तोष

3. निम्नलिखित में संधि कीजिए -

यशः + गान - यशोगन	पौ + अक - पावक
अतः + एव - अतएव	मनः + अनुकूल - मनोनुकूल
राज + ऋषि - राजर्षि	आ + छादन - आच्छादन

तपः + बल	– तपोबल	सदा + ऐश्वर्य	– सदैश्वर्य
सु + अच्छ	– स्वच्छ	अति + आचार	– अत्याचार
दिक् + गज	– दिग्गज	धर्म + आत्मा	– धर्मात्मा

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

क. दो वर्णों के मेल से होने वाले विकार या परिवर्तन को संधि कहते हैं।

ख. संधि तीन प्रकार की होती हैं–

1. स्वर संधि 2. व्यंजन संधि 3. विसर्ग संधि

ग. किसी व्यंजन का किसी स्वर या व्यंजन के साथ मेल होने पर व्यंजन में जो परिवर्तन होता है, उसे व्यंजन संधि कहते हैं; जैसे– उत् + चारण – उच्चारण।

घ. विसर्ग से स्वर अथवा व्यंजन के मिलने पर उनके रूप में जो परिवर्तन होता है, उसे विसर्ग संधि कहते हैं; जैसे:–नमः + ते – नमस्ते, नमः + कार – नमस्कार।

12. समास

प्रश्न–अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ :–

क. सज्जन ख. पाप–पुण्य ग. अव्ययीभाव समास

2. निम्नलिखित प्रत्ययों से दो–दो शब्द बनाइए :–

		विग्रह	समास का नाम
वनवास	–	वन में वास	तत्पुरुष समास
नीलकमल	–	नीला है कमल जो	कर्मधारय समास
गौरीपुत्र	–	गौरी का पुत्र	तत्पुरुष समास
यथाशक्ति	–	शक्ति के अनुसार	अव्ययीभाव समास

स्त्री–पुरुष	–	स्त्री और पुरुष	द्वंद्व समास
धरती–आसमान	–	धरती और आसमान	द्वंद्व समास
चौराहा	–	चार राहों का समाहार	द्विगु समास
घुड़सवार	–	घोड़े पर सवार	तत्पुरुष समास
रेखांकित	–	रेखा से अंकित	तत्पुरुष समास
प्रतिवर्ष	–	हर वर्ष	अव्ययीभाव समास
महात्मा	–	महान है जो आत्मा	कर्मधारय समास

3. निम्नलिखित विग्रहों के समस्तपद बनाकर समास का नाम लिखिए:–

		समस्तपद	समास का नाम
कमल के समान चरण	–	चरण कमल	कर्मधारय समास
चार मासों का समूह	–	चौमासा	द्विगु समास
माखन को चुराने वाला	–	माखनचोर	बहुब्रीहि समास
नीला है कंठ जिनका	–	नीलकंठ	बहुब्रीहि समास
हवन के लिए सामग्री	–	हवन–सामग्री	तत्पुरुष समास
तीन रंगों का समाहार	–	तिरंगा	द्विगु समास
मृत्यु को भी जीत लिया है जिसने	–	मृत्युंजय	बहुब्रीहि समास
रात ही रात	–	रातोंरात	अव्ययीभाव समास
नौ रात्रियों का समूह	–	नवरात्रि	द्विगु समास
शिव और पार्वती	–	शिव–पार्वती	द्वंद्व समास
गुरु के लिए दक्षिणा	–	गुरुदक्षिणा	तत्पुरुष समास
माल के लिए गाड़ी	–	मालगाड़ी	तत्पुरुष समास
राम का अनुज	–	रामानुज	तत्पुरुष समास
गंगा का जल	–	गंगाजल	तत्पुरुष समास

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

क. दो या दो से अधिक शब्दों के संयोग से बना एक सार्थक शब्द समास कहलाता है। समास के प्रमुख छह भेद होते हैं–

1. अव्ययीभाव समास 2. तत्पुरुष समास

3. कर्मधारय समास 4. द्विगु समास

5. द्वंद्व समास 6. बहुब्रीहि समास

ख. कर्मधारय और बहुब्रीहि समास में अंतर:–कर्मधारय समास में सामासिक शब्द (समस्तपद) के दोनों पदों में विशेषण–विशेष्य अथवा उपमान–उपमेय का संबंध होता है जबकि ब्रहुब्रीहि समास में सामासिक शब्द (समस्तपद) के दोनों पदों में विशेषण–विशेष्य का संबंध होता बल्कि वह समस्तपद ही किसी अन्य संज्ञादि का विशेषण होता है। इसके अतिरिक्त कर्मधारय में समस्तपद के शब्दार्थ की प्रधानता होती है, जबकि बहुब्रीहि समास में शब्दार्थ की कोई प्रधानता न होकर किसी अन्य पद की प्रधानता होती है।

ग. समस्तपद के अंगों को अलग करने की प्रक्रिया को समास विग्रह कहते हैं।

घ. संधि में दो वर्णों का पारस्परिक मेल होता है, जिसके परिणामस्वरूप वर्णों में ही विकार (परिवर्तन) होता है; जैसे–पुस्तक + आलय – पुस्तकालय। जबकि समास में दो पदों (शब्दों) का मेल होता है और वर्णों में कोई विकार या परिवर्तन नहीं होता। 'समास' का शाब्दिक अर्थ है – 'संक्षेपीकरण' अर्थात समास में एक से अधिक पदों का संयोग करके उनका संक्षिप्त रूप बना दिया जाता है; जैसे– 'पुस्तक के लिए आलय' पदों को संक्षिप्त करके 'पुस्तकालय' सामासिक शब्द बनाया गया है।

13. विशेषण

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ :–

क. चार   ख. गुणवाचक

ग. पर्वतीय

2. निम्नलिखित वाक्यों में खाली स्थान में उचित विशेषण लिखिए:–

क. पाँच लीटर   ख. पाँच सौ

ग. रंग–बिरंगे   घ. पवित्र

3. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए :–

शब्द	विशेषण	शब्द	विशेषण
भारत –	भारतीय	मूल्य –	मूल्यवान
दया –	दयालु	शरीर –	शारीरिक
कष्ट –	कष्टदायक	प्यास –	प्यासा
विष –	विषैला	पाप –	पापी

4. निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण छाँटकर उसका भेद लिखिए–

	विशेषण	**भेद**
क.	थोड़े	परिमाणवाचक विशेषण
ख.	परिश्रमी	गुणवाचक विशेषण
ग.	सारा	परिमाणवाचक विशेषण
घ.	भारतीय	गुणवाचक विशेषण

5. निम्नलिखित शब्दों की उत्तरावस्था व उत्तमावस्था लिखिए –

	उत्तरावस्था	उत्तमावस्था
क.	महानतर	महानतम
ख.	उच्चतर	उच्चतम
ग.	सुंदरतर	सुंदरतम
घ.	श्रेष्ठतर	श्रेष्ठतम

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

क. संज्ञा अथवा सर्वनाम की विशेषता (गुण, दोष, संख्या, परिमाण आदि) बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं। विशेषण के चार भेद हैं – गुणवाचक विशेषण, संख्यावाचक विशेषण, परिमाणवाचक विशेषण, संकेतवाचक विशेषण अथवा सार्वनामिक विशेषण।

ख. विशेषण:–संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं। उदाहरण–काला, मोटा, प्रथम, कुछ, वह, यह, ये आदि।

विशेष्य:–विशेषण जिस शब्द की विशेषता बताते हैं, वह विशेष्य कहलाता है। उदाहरण–कुत्ता, लड़का, कक्षा, बच्चे, घर आदि।

ग. सार्वनामिक विशेषण और सर्वनाम में अंतर:–जिन सर्वनामों का प्रयोग संज्ञा शब्दों से पूर्व हो, वे सार्वनामिक विशेषण होते हैं और जिनका प्रयोग संज्ञा के स्थान पर हो, वे सर्वनाम होते है;

जैसे– यह कमीज मेरी है। ('यह' संकेतवाचक विशेषण)

यह मेरे साथ खेलता है। ('यह' सर्वनाम)।

घ. कुछ शब्द विशेषणों की विशेषता बताते हैं, उन्हें प्रविशेषण कहते हैं।

14. क्रिया

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ:–

क. संयुक्त क्रिया ख. प्रेरणार्थक क्रिया

ग. नामधातु क्रिया घ. खटखटाना

2. दिए गए कथनों में सही के सामने (✓) तथा गलत के सामने (✗) का चिह्न लगाइए:–

क. (✗) ख. (✓) ग. (✓) घ. (✗)

ड. (✓)

3. निम्नलिखित वाक्यों में से अकर्मक और सकर्मक क्रियाएँ छाँटकर सामने लिखिए–

क. अकर्मक क्रिया – उड़ रही है (उड़ना)

ख. सकर्मक क्रिया – फल खा रही हैं (फल खाना)

ग. अकर्मक क्रिया – आए हैं

घ. अकर्मक क्रिया – दौड़ रहा है (दौड़ना)

ड. सकर्मक क्रिया – फुटबॉल खेल रहे हैं (फुटबॉल खेलना)

च. सकर्मक क्रिया – चित्र बनाती है (चित्र बनाना)

4. दी गई क्रियाओं से प्रेरणार्थक क्रियाएँ बनाइए–

	प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया	द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया
क.	जगाना	जगवाना
ख.	सुलाना	सुलवाना
ग.	उड़ाना	उड़वाना
घ.	पिटना	पिटवाना
ड.	जिताना	जितवाना
च.	पिलाना	पिलवाना

5. निम्नलिखित शब्दों से नामधातु क्रियाएँ बनाइए:–

शब्द	नामधातु क्रिया	शब्द	नामधातु क्रिया
लालच –	ललचाना	धिक्कार –	धिक्कारना
फिल्म –	फिल्माना	दोहरा –	दोहराना
अपना –	अपनाना	चक्कर –	चकराना
लात –	लतियाना	गर्म –	गर्माना
रंग –	रंगाना	लज्जा –	लजाना

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

क. जिस शब्द से किसी कार्य के करने अथवा होने का बोध होता है, उसे क्रिया कहते हैं।

ख. कर्म के आधार पर क्रिया के दो भेद होते हैं–क. अकर्मक क्रिया, ख. सकर्मक क्रिया।

क. अकर्मक क्रियाः– जिन क्रियाओं के साथ कर्म न हो तथा क्रियाओं का फल कर्ता पर पड़ता हो, उन्हें अकर्मक क्रिया कहते हैं; उदाहरण :–पक्षी उड़ रहे हैं। बच्चा हँसेगा।

ख. सकर्मक क्रियाः– जिन क्रियाओं के साथ कर्म हो तथा क्रियाओं का फल कर्म पर पड़ता हो, उन्हें सकर्मक क्रिया कहते हैं;

उदाहरणः– 1. गायक गाने सुन रहा है। 2. माँ ने बच्चे को मारा।

ग. दो या दो से अधिक धातुओं से बने क्रिया–पदों को संयुक्त क्रिया कहते हैं।

उदाहरण– 1. मैंने पाठ पढ़ लिया।

2. नेहा खाना बनी रही है।

घ. प्रेरणार्थक क्रियाः–जिन वाक्यों में कर्ता स्वयं कार्य न करके दूसरों को कार्य करने को प्रेरित करता है, वहाँ प्रेरणार्थक क्रिया होती है; जैसेः–दादी ने मुझसे पत्र लिखवाया।

ड. नामधातु क्रिया के चार उदाहरणः–हथियाना, शर्माना, दोहराना, सठियाना।

15. काल

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओः–

क. पूर्ण भूतकाल

2. निम्नलिखित वाक्यों की क्रियाओं के काल तथा भेद बताइए:–

	काल	भेद
क.	भूतकाल	सामान्य भूतकाल
ख.	भविष्यत् काल	सामान्य भविष्यत्काल
ग.	वर्तमान काल	सामान्य वर्तमानकाल
घ.	भूतकाल	अपूर्ण भूतकाल
ड.	भविष्यत्काल	सामान्य भविष्यत्काल
च.	भविष्यत्काल	संभाव्य भविष्यत्काल
छ.	भूतकाल	संदिग्ध भूतकाल

3. निम्नलिखित वाक्यों को सामने के कोष्ठक में दिए गए काल के अनुसार बदलकर पुन: लिखिए –

क. शिकारी हिरण को मारता है।

ख. वह घर गया।

ग. यदि तुम आते, तो मैं जाता।

घ. माली ने पौधों को सींचा।

ड. छात्र प्रश्नों का उत्तर लिख रहे हैं।

च. पुलिस द्वारा चोर पकड़ लिया गया था।

4. निम्नलिखित रिक्त स्थानों में क्रिया का उचित रूप भरिए –

क. आए थे।	ख. बना लिया होगा।
ग. लिखा।	घ. सुना रही थी।
ड. चुराए।	च. जाऊँगा।
छ. सिल रहा है।	ज. पढ़ा रहे होंगे।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

क. क्रिया के होने या करने के समय को काल कहते हैं। काल के तीन भेद हैं:-1. वर्तमान काल, 2. भूतकाल, 3. भविष्यत् काल।

ख. भूतकाल के छह भेद होते हैं:-सामान्य भूतकाल, आसन्न भूतकाल, पूर्ण भूतकाल, अपूर्ण भूतकाल, संदिग्ध भूतकाल, और हेतु-हेतुमद् भूतकाल।

ग. क्रिया के जिस रूप से कार्य के वर्तमान में होने का बोध हो, उसे वर्तमान काल कहते हैं।

वर्तमान काल के तीन भेद हैं:-क. सामान्य वर्तमानकाल, ख. अपूर्ण वर्तमान काल, ग. संदिग्ध वर्तमानकाल।

घ. भविष्यत्काल:-क्रिया के जिस रूप से आने वाले समय में उसके करने या होने का बोध हो, उसे भविष्यत्काल कहते हैं।

भविष्यत्काल:-भविष्यत्काल के दो भेद हैं:-

1. सामान्य भविष्यत् काल   2. संभाव्य भविष्यत् काल

16. वाच्य

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ:-

क. सकर्मक   ख. भाववाच्य

ग. भाव की   घ. कर्तृवाच्य

2. निम्नलिखित वाक्यों में कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य तथा भाववाच्य छाँटिए :-

क. कर्तृवाच्य   ख. कर्मवाच्य

ग. भाववाच्य   घ. भाववाच्य

ड. कर्तृवाच्य

3. निम्नलिखित वाक्यों को कर्मवाच्य में बदलिए–

क. छात्रों द्वारा भोजन किया जा रहा है।

ख. बच्चों से पढ़ा जाएगा।

ग. भिखारी द्वारा भीख माँगी जा रही थी।

घ. अध्यापक द्वारा नकल करते छात्र को पकड़ा गया।

ड. राम द्वारा रावण को मारा गया।

च. नानी द्वारा कहानी सुनायी जाती है।

4. निम्नलिखित वाक्यों को भाववाच्य में बदलिए:–

क. शैतान बच्चों से शांत नहीं रहा जा सकता।

ख. रीना से नहीं सोया जाता।

ग. महिलाओं से नहीं दौड़ा जाएगा।

घ. पक्षियों से घोंसले में सोया जाता है।

ड. गरमियों में लोगों से खूब नहाया जाता है।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

क. क्रिया के जिस रूप से यह पता चले कि उसके लिंग, वचन और पुरुष का प्रयोग कर्ता, कर्म या भाव के अनुसार किया गया है, वह वाच्य कहलाता है।

ख. वाच्य के तीन भेद हैं:–कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य।

ग. **कर्तृवाच्य:**–जब वाक्य में क्रिया के लिंग, पुरुष और वचन कर्ता के अनुसार होते हैं, उसे कर्तृवाच्य कहते हैं।

कर्मवाच्य:–जिस वाक्य की क्रिया के लिंग और वचन कर्म के अनुसार होते हैं, उसे कर्मवाच्य कहते हैं।

17. अव्यय (अविकारी शब्द)

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ:–

   क. कालवाचक   ख. समुच्चयबोधक

   ग. रीतिवाचक क्रियाविशेषण

2. निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति कोष्ठक में दिए गए अव्यय के द्वारा कीजिए:–

   क. सुरीला,   ख. तथापि

   ग. वाह!   घ. में

   ड. यहाँ–वहाँ   च. दिन–रात

   छ. धीरे

3. निम्नलिखित वाक्यों में क्रियाविशेषण को रेखांकित कीजिए और उसका भेद भी लिखिए–

   क. कम   परिमाणवाचक क्रिया विशेषण

   ख. इधर–उधर   स्थानवाचक क्रिया विशेषण

   ग. जल्दी   कालवाचक क्रिया विशेषण

   घ. परसों   कालवाचक क्रिया विशेषण

   ड. अचानक   रीतिवाचक क्रिया विशेषण

4. समुच्चयबोधक अव्यय छाँटकर लिखिए–

   क. और   ख. तो   ग. ताकि

   घ. इसलिए   ड. किंतु

5. रिक्त स्थानों में संबंधबोधक शब्द भरिए:–

   क. के ऊपर   ख. के सामने   ग. के बिना

   घ. की अपेक्षा   ड. के भीतर

6. निम्नलिखित रिक्त स्थानों में उचित विस्मयादिबोधक शब्दों को भरिए:-

क. अरे ! ख. हाय ! ग. वाह !

घ. अरे ! ड. काश!

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

क. जिन शब्दों का रूप नहीं बदलता अर्थात जिनमें लिंग, वचन, कारक, काल आदि के कारण कोई विकार नहीं आता या परिवर्तन नहीं होता, उन्हें अव्यय या अविकारी शब्द या पद कहते हैं।

अव्यय के चार भेद हैं:-क्रियाविशेषण, समुच्चयबोधक, संबंधबोधक तथा विस्मयादिबोधक।

ख. जो शब्द क्रिया की विशेषता बताते हैं, उन्हें क्रियाविशेषण कहते हैं; क्रियाविशेषण के मुख्य चार भेद होते हैं:-

1. रीतिवाचक क्रियाविशेषण
2. स्थानवाचक क्रियाविशेषण
3. कालवाचक क्रियाविशेषण
4. परिमाणवाचक क्रियाविशेषण

ग. रीतिवाचक क्रियाविशेषण:-जो शब्द क्रिया के होने की रीति या विधि बताते हैं, उन्हें रीतिवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं। उदाहरण:- 1. हवा मंद-मंद चल रही है।

2. शेर शांतिपूर्वक खड़ा है।

परिमाणवाचक क्रियाविशेषण:-जो शब्द क्रिया की मात्रा या परिमाण बताए, उसे परिमाणवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं। उदाहरण:- 1. हमने खूब मजे किए।

2. तुम बहुत बोलते हो।

घ. संबंधबोधक अव्यय के उदाहरण:–

1. जंगल के पीछे नदी बहती है।

2. माँ घर के भीतर बैठी है।

ड. जो अव्यय पदों, पदबंधों और उपवाक्यों को जोड़ते हैं, उन्हें समुच्चयबोधक अव्यय कहते हैं।

च. विस्मयादिबोधक अव्ययों के दो उदाहरण:–

1. शाबाश! तुमने यह कर दिखाया।

2. अरे ! आप कैसे आ गए ?

18. शब्द भंडार

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ:–

क. नदी का   ख. गाय   ग. धरा

2. निम्नलिखित शब्दों के तीन–तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए:–

क.	मानुज	आदमी	नर
ख.	बेटी	सुता	तनया
ग.	भूमि	धरा	धरती
घ.	चाँद	शशि	राकेश
ड.	पानी	नीर	सलिल
च.	सुधा	पीयूष	अमिय
छ.	वस्त्र	चीर	वसन
ज.	अश्व	तुरंग	हय
झ.	प्रभु	भगवान	परमात्मा
ञ.	गजानन	लंबोदर	गणपति
ट.	सरिता	तटिनी	तरंगिनी
ठ.	पंकज	जलज	पुंज

ड. सागर सिंधु जलधि

ढ. विश्व जगत जग

ण. चक्रपाणि केशव नारायण

विलोम शब्द

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ:-

क. चेतन ख. प्रेम

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए:-

चतुर – मूर्ख	स्वदेश– परदेश, विदेश	पक्ष – विपक्ष
हित – अहित	घृणा – प्रेम	सज्जन – दुर्जन
आदि – अनादि	स्तुति – निंदा	अनिवार्य – ऐच्छिक
साक्षर – निरक्षर	उत्थान – पतन	सदाचार – दुराचार

3. रंगीन शब्दों के विलोम शब्द लिखकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए:-

क. भक्षक ख. सम्मान

ग. उपस्थित घ. अवगुणों

ड. मधुर

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ :-

क. आस्तिक ख. शताब्दी

2. निम्नलिखित अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए :-

क. सर्वव्यापक ख. निंदनीय

ग. स्पष्टवादी घ. अद्‌वितीय

ड. प्रत्यक्ष च. सहपाठी

छ. राजनीतिज्ञ ज. कृतज्ञ

झ. दत्तक ञ. जन्मांध

3. निम्नलिखित अनेक शब्दों के लिए उचित एक शब्द चुनिए :-

क. सुगम

ख. प्रत्यक्ष

ग. सुलभ

घ. मितभाषी

ड. मधुरभाषी

अनेकार्थी शब्द

1. निम्नलिखित शब्दों के दो अलग-अलग अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए:-

क. (मात्रा) - कक्षा में कुल बीस छात्र उपस्थित थे।

(वंश) - रामचंद्र जी रघुकुल में पैदा हुए थे।

ख. (नदी का किनारा) - नदी के तीर पर नाव खड़ी थी।

(बाण) - शिकारी ने तीर से हिरन को मार दिया।

ग. (धन, मोहर, पैसे, संबंधित) - विदेशी मुद्रा बाजार में एक नई मुद्रा प्रणाली शुरू की गई है।

(शरीर के अंगों की खड़े होने या बैठने आदि की स्थिति)-इस फोटो में आप सोती हुई मुद्रा में दिख रहे हैं।

घ. (पत्ता) - पेड़ से पत्र गिर रहे हैं।

(खत, चिट्टी) - बेटी ने ससुराल से माता-पिता को कई पत्र लिखे।

ड. (हिस्सा) - माँ ने सेब के चार भाग करके चारों बच्चों को दे दिए।

(दौड़ना) - बच्चे स्कूल से भागते हुए घर पहुँचे।

2. निम्नलिखित शब्दों के विभिन्न अर्थ लिखिए :-

क. एक फल, मामूली, सर्वसाधारण

ख. अक्षर, रंग, जाति

ग. कमल, मोती, मछली

घ. समूह, सेना, पत्ता, पंखुड़ी, पक्ष, भाग

ड. बाँस, जाति, कुल, परिवार, संतान

च. गिनती के अंक, नाटक के अंक, अध्याय

छ. बादल, भारी, हथौड़ा, घना

एकार्थी या एकार्थक शब्द

1. निम्नलिखित एकार्थी शब्दों के अर्थ स्पष्ट करके लिखिए:-

क. छाया - छाँव, फैलाव

परछाई - किसी व्यक्ति अथवा वस्तु का पूरा प्रतिरूप

ख. पूजा - बिना किसी विशेष-सामग्री के ईश्वर की भक्ति करना।

अर्चना- धूप, दीप आदि से विधिवत पूजा करना

ग. आज्ञा - बड़ों का छोटों को दिया गया निर्देश

आदेश- कुछ करने का अधिकारिक निर्देश

घ. अमूल्य - जिसका मूल्य न आँका जाये।

बहुमूल्य - बहुत कीमती

ड. ग्रंथ - धार्मिक और ऐतिहासिक पुस्तकें

पुस्तक - कोई भी पुस्तक अथवा किताब

श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्द

निम्नलिखित श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्दों के अर्थ लिखिए :-

क. अन्न - अनाज अन्य - दूसरा

ख. कुल - वंश कूल - किनारा

ग. अवधि - समय अवधी - अवध में बोली जाने वाली भाषा

घ.	दिन	- दिवस	दीन	-	गरीब
ड.	अनिल	- हवा	अनल	-	आग
च.	प्रसाद	- कृपा,भगवान का भोग	प्रासाद	-	महल

19. वाक्य - विचार

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ:-

   क. तीन ख. मेरा मित्र

   ग. सरल वाक्य घ. इच्छावाचक वाक्य

2. निम्नलिखित वाक्यों में से उद्देश्य और विधेय अलग-अलग कीजिए:-

   क. गंगा भारत की प्रमुख नदी है।

   ख. मजदूरों ने इमारत बना दी।

   ग. सूर्य प्रकाश देता है।

   घ. बच्चे फुटबॉल खेल रहे हैं।

   ड. राधा ने खीर बनाई।

3. निर्देशानुसार वाक्य बदलिए :-

   क. यह कार्य ना करो।

   ख. वाह ! उसने मैच जीत लिया।

   ग. बच्चो, घर में जाकर आराम करो।

   घ. क्या माँ ने नानी को पत्र लिखा ?

4. निम्नलिखित वाक्यों को कोष्ठक में दिए गए संकेतानुसार परिवर्तित करके पुनः लिखिए:

   क. मीना ने खाना खाया और सो गयी ।

   ख. जैसे ही मैं वहाँ पहुँचा, शांति हो गई।

   ग. नीना गा रही है और नाच रही है।

   घ. जो मेहनती व्यक्ति होते हैं, वे अवश्य सफल होते हैं।

ड. हम जयपुर जाकर हवामहल देखेंगे।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

क. जिस सार्थक शब्द समूह से बोलने या लिखने वाले का पूर्ण अभिप्राय सुनने वाले या पढ़ने वाले की समझ में आ जाए, उसे वाक्य कहते हैं।

वाक्य के दो अंग होते हैं:–1. उद्देश्य 2. विधेय।

ख. अर्थ के अनुसार वाक्य के आठ भेद होते हैं:–

1. विधानवाचक	2. निषेधवाचक
3. प्रश्नवाचक	4. इच्छावाचक
5. संदेहवाचक	6. आज्ञावाचक
7. संकेतवाचक	8. विस्मयादिवाचक।

ग. रचना के आधार पर वाक्य के तीन भेद हैं:–

1. सरल वाक्य 2. संयुक्त वाक्य

3. मिश्रित वाक्य

उदाहरण:–गाय घास चरती है।	(सरल वाक्य)
कम खाया करो, अन्यथा मोटे हो जाओगे।	(संयुक्त वाक्य)
विशाल ने जो कार खरीदी है, वह नयी है।	(मिश्रित वाक्य)

20. विराम-चिह्न

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाओ:–

क. ; ख. उद्धरण चिह्न ग. ?

2. निम्नलिखित विराम-चिह्नों के चिह्न बनाइए:–

अर्द्ध विराम	–	;	कोष्ठक चिह्न	–	( )
पूर्ण विराम	–	।	अल्प विराम	–	,
निर्देशक चिह्न	–	–	विवरण चिह्न	–	:–

3. निम्नलिखित विराम चिह्नों का प्रयोग करते हुए अलग-अलग वाक्य लिखिए:-

क. राधा भजन गाती है।

ख. खाने में क्या बना है ?

ग. अरे ! यह चोट कैसे लगी ?

घ. उ० प्र० की राजधानी लखनऊ है।

ड. हमें यात्रा के दौरान पहाड़, नदी, झरने, घाटियाँ, मंदिर, होटल आदि सभी देखने को मिले।

च. तुलसीदास ने सत्य कहा है, ''पराधीन सपनेहु सुख नाहीं।''

4. विराम चिह्न लगाकर वाक्य पुनः लिखिए:-

क. मैं तुम्हारी मदद करता; पर मैं मजबूर हूँ।

ख. गांधीजी ने कहा, ''आराम हराम है।''

ग. रसगुल्ले किसने खाए ?

घ. प्रत्येक माता-पिता अपनी सामर्थ्य के अनुसार अपनी बेटी की शादी करते हैं।

ड. अरे वाह! तुम्हारी सहेली तो बहुत सुंदर है।

च. जीवन में सुख-दुख, अच्छा-बुरा तो आता ही रहता है।

छ. क्या तुम घर से भागकर आए हो ?

ज. हे राम ! अब क्या करें ?

झ. नौकर चीनी, दाल, चाय की पत्ती, चावल, सब्जी और आटा खरीदकर लाया।

5. लाघव चिह्न का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित शब्दों को संक्षेप में लिखिए:-

क. डॉ०	ख. कृ० पृ० उ०

ग. प्रो०	घ. ई०

ङ. क्र० सं० च. रा० शै० अ० प्र० प०

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

क. लिखित भाषा में विराम देने के लिए जिन चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें 'विराम–चिह्न' कहा जाता है।

ख. मैंने एक नई साइकिल खरीदी।

ग. वाक्यों के अंत में प्रश्नवाचक चिह्न (?) लगाया जाता है; उदाहरणः–आप कहाँ रहते हैं?

घ. **अल्प विराम (,):**– अल्प विराम का अर्थ है–बहुत कम समय के लिए रुकना। वाक्य में जहाँ बहुत कम समय के लिए रुकना होता है, वहाँ अल्प विराम का प्रयोग होता है; उदाहरणः–बाज़ार से दूध, चीनी, चाय पत्ती, समोसे तथा मिठाई ले आओ।

अद्‌र्ध विराम (;):– अद्‌र्ध विराम का अर्थ है–आधा रुकना। वाक्य में जहाँ अल्प विराम की अपेक्षा कुछ अधिक देर तक रुकना पड़ता है, वहाँ अद्‌र्ध विराम का प्रयोग होता है; उदाहरणः–सूर्योदय हो गया; चिड़िया चहकने लगी।

21. मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ

1. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइएः–

क. बहुत गुस्सा होना–राहुल से गलत जवाब सुनकर अध्यापक आग–बबूला हो गए।

ख. दुखी को अधिक दुखी करना–रमा अपनी गरीबी से परेशान है और मकान मालिक ने घर का किराया बढ़ाकर उसके घाव पर नमक छिड़क दिया।

ग. सब कुछ नष्ट कर देना–जगत ने अपने माता–पिता के दुश्मनों की ईंट–से–ईंट बजा दी।

घ. लालच आ जाना–दावत में गोल–गप्पे देखकर मेरे मुँह में पानी आ

गया।

ड. टक्कर लेना–रानी लक्ष्मीबाई ने अंग्रेजों से लोहा लेकर उन्हें धूल चटा दी।

च. बहुत मेहनत करना–खून–पसीना एक करके किशन के बेटे ने दसवीं कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

छ. शोभा बढ़ाना–स्वतंत्रता दिवस पर बच्चों के रंगारंग कार्यक्रम ने चार चाँद लगा दिए।

ज. अपनी जान जोखिम में डालना–रोहन ने अपनी जान पर खेलकर बिल्ली को मरने से बचाया।

2. निम्नलिखित लोकोक्तियों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए :–

क. मूर्खों में कुछ पढ़ा–लिखा व्यक्ति–संजू ने बारहवीं तक पढ़ाई कर ली तो गाँव में वह अंधों में काना राजा बना हुआ है।

ख. पढ़ा–लिखा न होना–माँ ने नौकर से पत्र लिखने के लिए कह दिया, उसके लिए तो काला अक्षर भैंस बराबर है।

ग. दिखावा ज्यादा लेकिन गुण कम होना:–रोहन की मिठाई की दुकान तो बहुत बड़ी है, पर वहाँ की मिठाई खाकर तो यही मुँह से निकल गया कि ऊँची दुकान, फीकी पकवाना।

घ. अधिक परिश्रम किंतु लाभ कम:–दो महीने से खजाने के लालच में देवीदयाल ने सारे खेत खोद डाले पर मिला कुछ भी नहीं। यह तो वही बात हो गई कि खोदा पहाड़ निकली चुहिया।

ड. वस्तु कम व माँग अधिक:–मोहन बाज़ार से एक समोसा लाया लेकिन घर पहुँचकर देखा कि मेहमान भी आ गये हैं, वहाँ तो एक अनार सौ बीमार वाली हालत हो गयी।

22. वर्तनी संबंधी अशुद्धियाँ

1. शुद्ध शब्द के सामने (✓) का चिह्न लगाओः-

   क. ट्रक　　　　ख. पूज्य　　　　ग. सौभाग्य

2. कोष्ठक से सही शब्द छाँटकर रिक्त स्थान भरिएः-

   क. ऋतु　　　　ख. व्यापार　　　　ग. आभारी

   घ. ऐतिहासिक　　　　ड. स्वास्थ्य

3. निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध करके लिखिएः-

   क. क्षमा　　　　ख. श्रीमती　　　　ग. तौलिया

   घ. उद्देश्य　　　　ड. बसंत　　　　च. दीवार

   छ. विशेषता　　　　ज. समुद्र　　　　झ. कृपया

   ञ. प्रसाद　　　　ट. स्मरण　　　　ठ. ऋषि

   ड. परीक्षा　　　　ढ. श्रृंगार